Title: Request to rehabilitate the displaced families due to demolition of unauthorised construction in dalit rehabilitation of Agra, by the Army.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : अध्यक्ष महोदय, 8 सितम्बर की रात को सेना ने आगरा में 20 क्वार्टर नई आबादी, नौलखा घोसी मोहल्ले में, जहां लगभग 40 वर्ा से बाल्मीकि एवं बघेल लोग बसे हुए थे, उन्हें उजाड़ने का काम किया। हजारों महिलाएं, पुरुा और बच्चे खुले आसमान के नीचे पड़े हैं। ये सब अनुसूचित जाति के बाल्मीकि लोग हैं। न सिर्फ 20 क्वार्टर नई आबादी, नौलखा घोसी मोहल्ले में, अपितु सात मोहल्ले और ऐसे हैं जहां 40-50 हजार की आबादी है। 509 आदमी बेस वर्कशॉप के पीछे दलित बस्ती में, 15 क्वार्टर नई आबादी नौलखा, पांच क्वार्टर बीच का बाजार लाल कुर्ती बालूगंज नई बस्ती, रविदास नगर, मोहल्ला चावली और नगला अफोए, ये सब मोहल्ले ऐसे हैं, जिन्हें आईडेंटीफाई कर रखा है, सेना उन्हें भी उजाड़ सकती है।

12.59 hrs (Mr. Deputy Speaker in the Chair).

इन लोगों के पास राशन कार्ड थे, मतदाता सूची में इनका नाम था। विद्युत और टेलीफोन कनैक्शन थे और लम्बे अर्से से, तीन-चार दशक से ये बाल्मीकि लोग इन मोहल्लों में निवास करते थे। सेना ने बगैर किसी पूर्व सूचना के इन लोगों को उजाड़ने का काम किया।

13.00 hrs

उस मौहल्ले में महात्मा गांधी जी और बाल्मीकी की प्रतिमा को तोड़ा और बाल्मीकी बस्ती में रहने वाले लोगों के मकानों को तोड़कर लोगों को उजाड़ दिया गया। यह सब दिल्ली के करीब आगरा में हुआ है। वे लोग खुले आकाश के नीचे शरण लेने के लिए मजबूर हैं। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर-विकास मंत्री श्री लालजी टंडन जी ने कहा था कि बाल्मीकी आश्रम योजना के तहत इन लोगों को बसाने का काम किया जाएगा। लेकिन सरकार की इन लोगों को बसाने में दिलचस्पी नहीं है। एक लम्बे समय विभिन्न बाल्मीकी बस्तियों में जो लोग रह रहे हैं जिनके पास आवास की कोई व्यवस्था नहीं है, उनको उजाड़ने का कुचक्र चलाया जा रहा है। ये जो मौहल्ले उजाड़े गये हैं, अब सरकार की जिम्मेदारी है कि उन लोगों को बसाने और आसरा देने का काम करे। यही निवेदन मुझे करना था।